

07<sup>05</sup>/<sub>25</sub> आज यह पत्र। वाली पेच हुई। कोई भी उप०  
नहीं। वादी व वादी वहील दो बार-2 आवाज  
लगवाई गई व विजुद खूना के कोई भी

**उपखण्ड अधिकारी**  
बहराइ (कोटपूतली-बहराइ)

उपनाही। पत्रावली वहुत समय से ताली  
में नियत है। पत्रावली अफमहावली  
आदम फरवी में खासि की जाती है। पत्रावली  
दिलाल शुभाद होकर नाबर से इस होकर  
द। खिल पपत्र है।

**उपखण्ड अधिकांश  
करोड़ (कोटपूतली करोड़)**

पत्रावली... किहु इति लिखात्प छाः

पत्रावली